



# बिहार गजट

## बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 43 पटना, बुधवार, 1 कार्तिक 1946 (श0)  
23 अक्टूबर 2024 (ई0)

### विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं। 02-17	भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक। ---
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश। ---	भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है। ---
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि। ---	भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक। ---
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि ---	भाग-9—विज्ञापन ---
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि। ---	भाग-9-क—बन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं ---
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण। ---	भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि। 18-19
भाग-4—बिहार अधिनियम ---	पूरक ---
	पूरक-क ---

# भाग-1

## नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।

### वाणिज्य-कर विभाग

#### अधिसूचना

8 अक्टूबर 2024

सं0 कौन/भी-127/2022-333/सी-बिहार वित्त सेवा के पदाधिकारी श्री पूर्णन्दु कुमार झा, तत्कालीन राज्य कर संयुक्त आयुक्त (प्रभारी), बाढ़ अंचल, बाढ़ द्वारा उक्त पदस्थापन काल में कई रिफण्ड आदेश पारित किये गये। उनके द्वारा पारित किये गये रिफण्ड आदेशों की जांच के उपरांत यह पाया गया कि उनके द्वारा सभी आवश्यक बिन्दुओं एवं तथ्यों की सम्यक् एवं समुचित जांच नहीं की गयी तथा संगत परिपत्रों की अनदेखी करते हुए अनेक **Erroneous Refund** स्वीकृत किये गये। श्री झा द्वारा बरती गयी अनियमितता के लिए उनसे स्पष्टीकरण की मांग की गयी। उनसे प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा के उपरांत इसे स्वीकार योग्य नहीं पाते हुए श्री झा के विरुद्ध आरोप पत्र गठित कर बचाव अभिकथन की मांग की गयी। श्री झा से प्राप्त बचाव अभिकथन को समीक्षोपरांत अस्वीकृत करते हुए अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा उन्हें निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही संचालित करने का निर्णय लिया गया।

2. अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में विभागीय अधिसूचना संख्या-208/सी दिनांक-11.08.2023 द्वारा बिहार सरकारी सेवक वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियमावली 2005 के नियम-9 (1)(क) के तहत अगले आदेश तक अधिसूचना निर्गत की तिथि से निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय राज्य कर अपर आयुक्त (प्रशासन), मगध प्रमंडल, गया का कार्यालय निर्धारित किया गया।

3. श्री पूर्णन्दु कुमार झा, तत्कालीन राज्य कर संयुक्त आयुक्त (प्रभारी), बाढ़ अंचल, बाढ़ के विरुद्ध विभागीय संकल्प संख्या-207/सी(अनु0) दिनांक-11.08.2023 द्वारा बिहार सरकारी सेवक वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियमावली 2005 के नियम-17 में निहित प्रावधान के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित है।

4. श्री पूर्णन्दु कुमार झा अक्टूबर 2024 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनके द्वारा वृद्धा माँ की तबीयत खराब रहने एवं उनका ईलाज कराने के कारण निलंबन से मुक्त करने से संबंधित अभ्यावेदन समर्पित किया गया है। जिसपर सम्यक् विचारोपरांत निम्न निर्णय लिया गया है -

(i) श्री पूर्णन्दु कुमार झा, तत्कालीन राज्य कर संयुक्त आयुक्त (प्रभारी), बाढ़ अंचल, बाढ़ सम्प्रति निलंबित, मुख्यालय-राज्य कर अपर आयुक्त (प्रशासन), मगध प्रमंडल, गया को बिहार सरकारी सेवक वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियमावली 2005 के नियम-9(6)(ग) के तहत अधिसूचना निर्गमन की तिथि से निलंबन से मुक्त किया जाता है।

(ii) श्री पूर्णन्दु कुमार झा के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के निष्पादन तक निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा।

5. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
कृष्ण कुमार, संयुक्त सचिव।

VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA

#### ORDER

The 9<sup>th</sup> October 2024

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-07/2024-5051—On the basis of the details of property of **Sudhir Kumar** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Sudhir Kumar, the then District Manager, State Food**

**Corporation, Gorakshani, Sasaram, S/o Late Arun Kumar Rai, Vill+Post-Jitwariya, P.S.-Kalyanpur, District-Samastipur at present Flat No.-202, Harishchandra Tower, Purvi Indira Nagar, Road No.-04, P.S.-Kankarbagh, District-Patna** who is named accused in Vigilance P.S Case No**24/2020** dated **19-10-2020** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth **Rs . 55,89,303/- (Fifty Five Lakh Eighty Nine Thousand Three Hundred Three Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Sudhir Kumar**.

By order,

**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I**

**DECLARATION**

***The 9<sup>th</sup> October 2024***

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-07/2024-5052**—WHEREAS, It was alleged that **Sri Sudhir Kumar, S/o Late Arun Kumar Rai, Vill+Post-Jitwariya, P.S.-Kalyanpur, District-Samastipur at present Flat No.-202, Harishchandra Tower, Purvi Indira Nagar, Road No.-04, P.S.-Kankarbagh, District-Patna** while holding the then **District Manager, Office State Food Corporation, Gorakshani, Sasaram** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance Case P.S. No. **24/2020 dated 19.10.2020** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Sri Sudhir Kumar** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA**

**ORDER**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-04/2022-5053**—On the basis of the details of property of **Sujay Suman** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Sujay Suman, the then Junior Engineer, Nagar Parishad Office, Betiah (West Champaran), S/o Late Bhairavdayal Sharan, Vill-KesariyaPurani Bazar, P.S.-Kesariya, District-West Champaran** who is named accused in Vigilance P.S Case No**31/2020 dated 14-12-2020** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth ` **70,87,446/- (Seventy Lakh Eighty Seven Thousand Four Hundred Forty Six Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **SujaySuman**.

By order,

**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I**

**DECLARATION**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-04/2022-5054**—WHEREAS, It was alleged that **Sri Sujay Suman, S/o Late Bhairavdayal Sharan, Vill-Kesariya Purani Bazar, P.S.-Kesariya, District-West Champaran** while holding the then **Junior Engineer Office Nagar Parishad, Betiah (West Champaran)** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance P.S. Case No. **31/2020 dated 14.12.2020** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Sri Sujay Suman** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the

State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA**

**ORDER**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-14/2024-5055**—On the basis of the details of property of **Ganga Sagar Yadav** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Ganga Sagar Yadav, the then Primary Teacher, Middle School, BaijuTola, Shyampur Panchayat, Bhagalpur S/o Sri Shivrath Yadav, Vill-TopraTola, P.O.-Shrimatpur, P.S.-Pirpaiti, District-Bhagalpur** who is named accused in Vigilance P.S Case No **153/2016 dated 26-12-2016** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth **Rs. 76,04,308/- (Seventy Six Lakh Four Thousand Three Hundred Eight Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Ganga Sagar Yadav**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I**

**DECLARATION**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-14/2024-5056**—WHEREAS, It was alleged that **Sri Ganga Sagar Yadav, S/o Sri Shivrath Yadav, Vill-TopraTola, P.O.-Shrimatpur, P.S.-Pirpaiti, District-Bhagalpur** while holding **the then Primary Teacher, Office Middle School, BaijuTola, Shyampur Panchayat, Bhagalpur** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance Case P.S. No. **153/2016 dated 26.12.2016** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Sri Ganga Sagar Yadav** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA

ORDER

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-05/2023-5057**—On the basis of the details of property of **Ram Prabesh Saw** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Ram Prabesh Saw, the then Executive Engineer, Technical Advisor, Rural Works Department, Work Circle, Siwan, Village-Poktha, P.S.-Obra, District-Aurangabad, Present Address-Vijay Nagar, P.S.-Rupaspur, District-Patna** who is named accused in Vigilance P.S Case No39/2018 dated 07-09-2018 registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth ₹ 1,24,85,965/- (**One Crore Twenty Four Lakh Eighty Five Thousand Nine Hundred Sixty Five Only**) which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Ram Prabesh Saw**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

VIGILANCE DEPARTMENT

BIHAR, PATNA

FORM No. I

DECLARATION

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-05/2023-5058**—WHEREAS, It was alleged that **Sri Ram Prabesh Saw, Village-Poktha, P.S.-Obra, District-Aurangabad, Present**

**Address-Vijay Nagar, P.S.-Rupaspur, District-Patna** while holding the then **Executive Engineer, Technical Advisor, Office Rural Works Department, Work Circle, Siwan** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance P.S. Case No. **39/2018 dated 07.09.2018** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Sri Ram Prabesh Saw** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

-----  
**VIGILANCE DEPARTMENT**  
**SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA**  
-----

**ORDER**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-03/2022-5059**—On the basis of the details of property of **Arvind Kumar** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Arvind Kumar, the then Executive Engineer, Road Construction Department, Bihar, Katihar, S/o Late Surendra Kumar, Flat No.-308, Haricharan Residency, Nandanpuri Colony, Ambedkar Path, P.S.-Rajiv Nagar, Patna** who is named accused in Vigilance P.S Case No **53/2019 dated 28-12-2019** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth Rs. **96,58,031/-(Ninty Six Lakh Fifty Eight Thousand Thirty One Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Arvind Kumar**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.



**VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I**

**DECLARATION**

***The 9<sup>th</sup> October 2024***

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-03/2022-5060**—WHEREAS, It was alleged that **Sri Arvind Kumar, S/o Late Surendra Kumar, Flat No.-308, Haricharan Residency, Nandanpuri Colony, Ambedkar Path, P.S.-Rajiv Nagar, Patna** while holding the then **Executive Engineer, Office Road Construction Department, Bihar, Katihar** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance Case P.S. No. **53/2019 dated 28.12.2019** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Sri Arvind Kumar** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA**

**ORDER**

***The 9<sup>th</sup> October 2024***

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-03/2023-5061**—On the basis of the details of property of **Dhananjay Mani Tiwari** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Dhananjay Mani Tiwari, the then District Engineer, Zila Parishad Office, Siwan, S/o- Late Awadesh Kumar Tripathi, Vill – Po+ P.S.- Pachrukhi, District- Siwan at present Address-Malviya Nagar, P.S.- Muffasil (O.P. Mahadeva), District- Siwan** who is named accused in Vigilance P.S Case No **08/2021 dated 19-02-2021** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth Rs. **3,05,29,390/- (Three Crore Five Lakh Twenty Nine Thousand Three Hundred Ninty Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.



2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Dhananjay Mani Tiwari**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I**

**DECLARATION  
The 9<sup>th</sup> October 2024**

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-03/2023-5062**—WHEREAS, It was alleged that **Shri Dhananjay Mani Tiwari, S/o- Late Awadesh Kumar Tripathi, Vill -Po+ P.S.- Pachrukhi, District- Siwan at present Address-Malviya Nagar, P.S.-Muffasil (O.P. Mahadeva), District- Siwan** while holding the then **District Engineer Office Zila Parishad Office, Siwan** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance P.S. Case No. **08/2021 dated 19.02.2021** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Shri Dhananjay Mani Tiwari** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA**

**ORDER  
The 9<sup>th</sup> October 2024**

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-01/2024-5063**—On the basis of the details of property of **Ashok Kumar** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Ashok Kumar, the then Junior Engineer, Water Resources Department, Digha, Patna (Now Retired), S/o Deo Prayag Singh, Mohalla-Indrapuri, House No.-03, Road No.-03A, P.S.-Patliputra, District-Patna**

who is named accused in Vigilance P.S Case No**27/2020 dated 24-11-2020** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth Rs. **93,87,993/- (Ninty Three Lakh Eighty Seven Thousand Nine Hundred Ninty Three Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Ashok Kumar**.

By order,

**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

-----  
**VIGILANCE DEPARTMENT**  
**BIHAR, PATNA**  
**FORM No. I**  
 -----

**DECLARATION**  
**The 9<sup>th</sup> October 2024**

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-01/2024-5064**—WHEREAS, It was alleged that **Sri Ashok Kumar, S/o Deo Prayag Singh, Mohalla-Indrapuri, House No.-03, Road No.-03A, P.S.-Patliputra, District-Patna** while holding **the then Junior Engineer, Office Water Resources Department, Digha, Patna (Now Retired)** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance Case P.S. No. **27/2020 dated 24.11.2020** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Sri Ashok Kumar** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
 Sd./Illegible, Principal Secretary.

VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA

ORDER  
*The 9<sup>th</sup> October 2024*

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-03/2024-5065**—On the basis of the details of property of **Uma Shanker Prasad** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Uma Shanker Prasad, the then Head Clerk (Retired), Nagar Parishad Danapur Nijamat, S/o- Late Yugal Kishore Prasad, Vill – Dariyapur, P.S.- Warsaliganj, District-Nawada at present Mohalla-Shanti Nagar, Gudluck Mandir Back Side, Takiyapur, P.S.-Danapur, District-Patna** who is named accused in Vigilance P.S Case No **61/2018 dated 29-12-2018** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth **1,35,24,666/- (One Crore Thirty Five Lakh Twenty Four Thousand Six Hundred Sixty Six Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Uma Shanker Prasad**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I

DECLARATION  
*The 9<sup>th</sup> October 2024*

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-03/24-5066**—WHEREAS, It was alleged that **Shri Uma Shanker Prasad, S/o- Late Yugal Kishore Prasad, Vill – Dariyapur, P.S.- Warsaliganj, District-Nawada at present Mohalla-Shanti Nagar, Gudluck Mandir Back Side, Takiyapur, P.S.-Danapur, District-Patna** while holding the then Head Clerk (Retired) Office **Nagar Parishad Danapur Nijamat** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance P.S. Case No. **61/2018 dated 29.12.2018**

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Shri Uma Shanker Prasad** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

-----  
**VIGILANCE DEPARTMENT**  
**SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA**  
-----

**ORDER**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-15/2024-5067**—On the basis of the details of property of **Pappu Kumar Yadav** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Pappu Kumar Yadav, the then Mukhiya, Gram Panchayat raj, Mohammadpur, P.S.+District-Vaishali S/o- Sri Kameshwar prasad Yadav, Vill- Rampur Judawan, P.S.+ District- Vaishali** who is named accused in Vigilance P.S Case No **118/2017 dated 29-12-2017** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth **Rs. 16,55,417/- (Sixteen Lakh Fifty Five Thousand Four Hundred Seventeen Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Pappu Kumar Yadav**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

-----  
**VIGILANCE DEPARTMENT**  
**BIHAR, PATNA**  
**FORM No. I**  
-----

**DECLARATION**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-15/2024-5068**—WHEREAS, It was alleged that **Shri Pappu Kumar Yadav, S/o- Sri Kameshwar prasad Yadav, Vill- Rampur Judawan, P.S.+ District- Vaishali** while holding **the then Mukhiya, Office Gram Panchayat raj Mohammadpur** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance P.S. Case No. **118/2017 dated 29.12.2017** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Shri**

**Pappu Kumar Yadav** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA**

**ORDER**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-12/2024-5069**—On the basis of the details of property of **Niranjan Kumar** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Niranjan Kumar, the then Excise Inspector, Prohibition, Excise & Registration Department, Bhabhua S/O Shri Chandeshwar Prasad, Permanent Address – TikiyaToli, Shivpur, Mahendru, Thana- Sultanganj. Dist-Patna, Present Address-Denobili Mission School, NH-30, Paizawa Near Pahari, Dist-Patna** who is named accused in Vigilance P.S Case No**33/2020 dated 31-12-2020** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth **Rs .84,65,470/-(Eighty Four Lakh Sixty Five Thousand Four Hundred Seventy Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Niranjan Kumar**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I**

**DECLARATION**

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-12/2024-5070**—WHEREAS, It was alleged that **Shri Niranjan Kumar, S/O Shri Chandeshwar Prasad, Permanent Address – TikiyaToli, Shivpur, Mahendru, Thana- Sultanganj. Dist-Patna, Present Address-Denobili Mission School, NH-30, Paizawa Near Pahari, Dist-Patna** while holding the then

**Excise Inspector Office Prohibition, Excise & Registration Department, Bhabhuain** the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance P.S. Case No. **33/2020 dated 31.12.2020**,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Shri Niranjana Kumar** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

-----  
**VIGILANCE DEPARTMENT**  
**SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA**  
-----

**ORDER**  
**The 9<sup>th</sup> October 2024**

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-13/2024-5071**—On the basis of the details of property of **Dilip Singh @ Dilip Kumar Singh** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Dilip Singh @ Dilip Kumar Singh, the then Mukhiya, Gram Panchayat, Dharhara Khurd, Amnaur, S/o- Shri Nandu Prasad Singh, Vill – Dharhara Kala, P.S.- Amnaur, District-Saran** who is named accused in Vigilance P.S Case No **09/2020 dated 29-05-2020** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth **Rs . 14,93,539/- (Fourteen Lakh Ninty Three Thousand Five Hundred Thirty Nine Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Dilip Singh @ Dilip Kumar Singh**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.



VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I

DECLARATION

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-13/2024-5072**—WHEREAS, It was alleged that **Shri Dilip Singh @ Dilip Kumar Singh, S/o- Shri Nandu Prasad Singh, Vill – Dharhara Kala, P.S.- Amnaur, District-Saran** while holding the then **Mukhiya Office Gram Panchayat, Dharhara Khurd, Amnaur, Saran** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance P.S. Case No. **09/2020 dated 29.05.2020** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Shri Dilip Singh @ Dilip Kumar Singh** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

VIGILANCE DEPARTMENT  
SOOCHNA BHAWAN 4TH FLOOR PATNA

ORDER

*The 9<sup>th</sup> October 2024*

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-01/2022-5073**—On the basis of the details of property of **Suresh Prasad Singh** furnished with the application given by the Vigilance Investigation Bureau for filing before the authorized officer of the Special Vigilance Court, there is prima facie evidence against **Suresh Prasad Singh, the then Executive Engineer, Road Construction Department, Bihar Road Division (West), Patna, S/o- Late Bakhori Singh, Vill+Post-B.C. Basaaon, P.S.- Basaaon, District-Buxar at present Shanti Ranjan Market, West Patel Nagar, P.S.-Shastrinagar, District-Patna** who is named accused in Vigilance P.S Case No**26/2019 dated 21-06-2019** registered u/s 13(1)(e)/13(1)(b) read with section-13(2) Prevention of corruption Act 1988, for confiscation of property worth **Rs . 5,13,65,227/- (Five Crore Thirteen Lakh Sixty Five Thousand Two Hundred Twenty Seven Only)** which is more than known source of income, under Bihar special Courts Act 2009.

2. The Public Prosecutor is hereby authorized to present an application under Section 13(1) of the Bihar Special Courts Act, 2009 before the court of the authorized officer under Section 3 of the Bihar Special Courts Act, 2009 for confiscation of the abovesaid property of **Suresh Prasad Singh**.

By order,  
**Arvind Kumar Chaudhary**, Principal Secretary.

**VIGILANCE DEPARTMENT  
BIHAR, PATNA  
FORM No. I**

**DECLARATION  
The 9<sup>th</sup> October 2024**

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

**No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-01/2022-5074**—WHEREAS, It was alleged that **Shri Suresh Prasad Singh, S/o- Late Bakhori Singh, Vill+Post-B.C. Basaon, P.S.- Basaon, District-Buxar at present Shanti Ranjan Market, West Patel Nagar, P.S.- Shastrinagar, District-Patna** while holding the then **Executive Engineer, Office Road Construction Department, Bihar Road Division (West), Patna** in the State of Bihar, committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 or clause (b) of sub-section (1) of section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Amended Act, 2018) and that the matter was investigated in Vigilance P.S. Case No. **26/2019 dated 21.06.2019** of,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is prima facie case of Commission of the **Shri Suresh Prasad Singh** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009/Bihar Special Courts (Amendment) Act, 2022.

By the order of the Governor of Bihar,  
Sd./Illegible, Principal Secretary.

**Office of The Commissioner, Magadh Division, Gaya**

**Office Order**

**The 8<sup>th</sup> October 2024**

No.XI-K-रा०-04/2024-250—In the light of proposal received from District Magistrate, Arwal vide letter no.- 148, dated- 09.07.2024 the power of certificate officer has been delegated

to following officers for disposal of certificate cases u/s 3(3) of Bihar & Orrisa Public Demand Recovery Act. 1914.

Sl. No.	Officers Name	Designation	Remarks
1	Miss. Priyanka Kumari	DMWO, Arwal	District Level

Order of Commissioner, Magadh Division, Gaya dt. 30.09.2024

By Order,  
Sd./Illegible,  
Secretary to Commissioner.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट, 31—571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

## भाग-9-ख

### निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि ।

#### सूचना

सं० 1022—मैं, Srishailam (श्रीशैलम) उर्फ Srishailam Das (श्रीशैलम दास), पिता—स्व० बिपुल कुमार दास साकिन—वार्ड 24, पूर्वी कायस्थ टोला, शिव मंदिर के नजदीक, नगर परिषद्, सुपौल, शपथपूर्वक यह घोषणा करता हूँ कि आज से मैं अपना नाम Srishailam में अपना उपनाम यानि अपने नाम को Srishailam Das (श्रीशैलम दास) करवाना चाहता हूँ। द्वारा शपथपत्र क्र० संख्या 7871 दिनांक 30.08.2024 भविष्य में मैं Srishailam Das (श्रीशैलम दास) के नाम से जाना जाऊँगा।

Srishailam (श्रीशैलम)।

No. 1028—I, Sanjay Kumar S/o Late Hira Lal Gupta R/o 525 Raghunath Tola Anishabad, Patna, Bihar 800002 do hereby solemnly affirm and declare as per aff. No. 3523 dt. 31.08.24 that my name is written in daughter Khusboo Raj's 10th all educational documents as Sanjay Gupta which is wrong. As per Aadhar Card my correct/true name is Sanjay Kumar. Sanjay Gupta and Sanjay Kumar both are same and one person. From now I will be known as Sanjay Kumar for all purposes.

Sanjay Kumar.

No. 1029—I, Rani Kumari Shah, W/o Shailesh Sah R/o 143, Kujwan Siwan, Bihar-841502 do hereby solemnly affirm and declare as per aff. No. 9863 dt. 27.09.24 that my name is mentioned in my Aadhar Card as Rani Devi but in my educational documents my name is written as Rani Kumari Shah. Rani Kumari Shah and Rani Devi both are same and one person. That from now I shall be known as Rani Kumari Shah for all purposes.

Rani Kumari Shah.

No. 1030—I, Sneha Sinha W/o Late Rakesh Kumar Sinha, Girija Hospital, Tikiya Toli, Mogalpur, Patna City, Patna- 800008, Bihar do hereby solemnly affirm and declare as per aff. No. 605 dt. 25.09.24 that my son's name is written in his Aadhar Card and Birth Certificate as Ishan. From Now he will be known as Ishan Sinha for all purposes.

Sneha Sinha.

सं० 1032—मैं कनिष्क पिता—कुमार रत्नेश रंजन, निवासी रोहिणी निवास, पूर्वी बोरिंग कैनाल रोड, पोस्ट—जी०पी०ओ० थाना—बुद्धा कॉलोनी जिला—पटना, शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि मेरा नाम कनिष्क है जो मेरे आधार कार्ड एवं अन्य प्रमाण पत्र पर अंकित है। मैं अपने नाम के बाद राज जोड़ना चाहता हूँ, जिससे मैं अपने नाम कनिष्क के बाद राज लिख सकूँ और भविष्य में कनिष्क राज के नाम से जाना एवं पहचाना जा सकूँ। शपथ पत्र संख्या 36 दिनांक 16.08.24.

कनिष्क।

No. 1033—I, Piyush Kumar Yadav, S/o Sanjay Yadav, R/o Vill-Birti Lakhraj, P.S.-Chainpur, Distt.-Siwan, Bihar do hereby solemnly affirm and declare as per aff. No. 19303 dated 26.09.2024 that my name is mentioned wrong in my Aadhar Card as Piyush Kumar. As per all educational certificate my true/correct name is Piyush Kumar Yadav. From now I will be known as Piyush Kumar Yadav for all future purposes.

Piyush Kumar Yadav.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट, 31—571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>